तेरी महिमा अपरम्पार

तेरी महिमा अपरम्पार
==========
तेरी महिमा, अपरम्पार, हो पार,
वृषभानु दुलारी श्री राधे ॥
*हो वृषभानु दुलारी, श्री राधे ॥
तुम हो, सच्ची सरकार, सरकार,
वृषभानु दुलारी श्री राधे ।
तेरी महिमा, अपरम्पार,,,,,,,,,,,,

सारे, जग की रखवाली है ।
कष्टों को, हरने वाली है ॥
तुझे पूजे, यह संसार, संसार,
वृषभानु दुलारी श्री राधे,,,
तेरी महिमा, अपरम्पार,,,,,,,,,,,,F

दीनन की, सुनने वाली है ।
भक्तन की, यह रखवाली है ॥
इन चरणों में, सुखधाम, सुखधाम,
वृषभानु दुलारी श्री राधे,,,
तेरी महिमा, अपरम्पार,,,,,,,,,,,,F

दुनियाँ ने, जब मुझे ठुकराया ।
भटका, तब शरण, तेरी आया ॥
मेरा कर दो, बेडा पार, हो पार,
वृषभानु दुलारी श्री राधे,,,
तेरी महिमा, अपरम्पार,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/28489/title/teri-mahima-aprampar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |